



भारत में डोपिंग गतविधियाँ

स्रोत :इंडियन एक्सप्रेस

दिल्ली एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हाल की घटनाओं ने डोपिंग के मुद्दे की सीमा को उजागर कर दिया है, क्योंकि कई प्रतियोगी डोपिंग परीक्षण से भाग गए थे और कुछ प्रतियोगिताओं में केवल एक ही प्रतियोगी शामिल हुआ था।

डोपिंग का खतरा:

- **परिचय:**
 - प्रदर्शन बढ़ाने के लिये एथलीटों द्वारा कुछ प्रतिबंधित पदार्थों का सेवन।
- **क्षेत्र:**
 - स्कूल मीट से लेकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप तक **सभी स्तरों के** एथलीट आदतन डोपिंग प्रक्रियाओं में संलग्न हैं।
 - **करियर में सफलता** और राष्ट्रीय टीम में स्थान पाने की उम्मीदें इन जोखिम भरे व्यवहारों को प्रेरित करती हैं।
 - सबसे आम उपयोग में **एनाबॉलिक स्टेरॉयड** जैसी दवाएँ शामिल हैं।

भारतीय खेलों में नरिंतर बनी रहने वाली डोपिंग समस्या:

- **व्यापक सीरजि संस्कृति:**
 - स्टेडियम के बाथरूमों में सीरजि के उपयोग साक्ष्य दशकों से देख जा सकते हैं।
 - डोपिंग गतविधि को रोकने के लिये सकार्य उपायों का अभाव।
- **राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी की अप्रभावीता:**
 - दिल्ली चैंपियनशिप जैसे आयोजनों के नेतृत्व में NADA की स्पष्ट अनुपस्थिति।
 - औपचारिक परीक्षण के दौरान शीघ्रता से प्राप्त नषिकर्ष व्यापक डोपिंग का संकेत देते हैं।
- **सुदूर क्षेत्रों में उपेक्षित परीक्षण:**
 - दूरदराज के क्षेत्रों में प्रतियोगिताएँ डोपिंग रोधी अधिकारियों के बिना आगे बढ़ती हैं, जिससे संभावित रूप से उच्च डोपिंग दर छपि जाती है।

डोपिंग संकट के मूल कारण:

- **प्रशिक्षकों तथा अभिभावकों की त्वरित मानसिकता सुधार:**
 - कोच और माता-पिता एथलीटों को सफलता के लिये शॉर्टकट ढूँढने के लिये प्रोत्साहित करते हैं।
 - उभरते एथलीटों के बीच दबाव अनैतिक विकल्पों की ओर ले जाता है।
- **भारत की सुस्त एंटी-डोपिंग मशीनरी:**
 - डोपिंग को रोकने तथा परीक्षण के प्रतिभय उत्पन्न करने के अपर्याप्त उपाय।
 - लगातार और कड़े डोपिंग रोधी प्रयासों का अभाव।
- **सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण:**
 - एथलीटों तथा आम जनता के बीच प्रभावी डोपिंग रोधी शिक्षा और जागरूकता का अभाव।
 - प्रदर्शन बढ़ाने वाली **दवाओं की उपलब्धता और पहुँच।**
 - खेल तथा समाज की संस्कृति एवं वातावरण। एथलीटों को ऐसी संस्कृति से अवगत कराया जा सकता है जो स्पष्ट रूप से अथवा परोक्ष रूप से डोपिंग को सहन करती है या प्रोत्साहित करती है।

संभावित समाधान:

- **एक स्वच्छ खेल संस्कृति को बढ़ावा देना:**
 - छोटी उम्र से ही खेलों में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को प्रोत्साहित करना।
 - एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना जहाँ डोपिंग अस्वीकार्य है।

- **डोपिंग रोधी उपायों को सुदृढ़ करना:**
 - सुदूर कर्षेत्रों में भी प्रतियोगिताओं में डोपिंग रोधी अधिकारियों की उपस्थिति बढ़ाना ।
 - अधिक कठोर और औचक परीक्षण लागू करना ।
- **जागरूकता अभियान:**
 - डोपिंग के खतरों के वषिय में एथलीटों, प्रशक्षकों और अभभावकों को शक्षित करना ।
 - एथलीटों के सवास्थय और करयिर पर डोपिंग के परणामों के वषिय में जागरूकता बढ़ाना ।
 - **भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधक्षण (FSSAI)** के माध्म से डोपिंग मशिरति इनपुट और आहार की उपलब्धता को कम करना जो खलाड़ी अनजाने में उपभोग करते हैं ।

खेलों में डोपिंग को समाप्त करने हेतु सरकार द्वारा कयि गये उपाय:

- **NADA:**
 - **राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (National Anti-Doping Agency- NADA)** की स्थापना भारत में डोप मुक्त खेलों के लयि **सोसायटी पंजीकरण अधनियम 1860** के तहत एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में की गई थी ।
 - लोकसभा ने **राष्ट्रीय डोपिंग रोधी वधियक 2021** पारति कर दयिा, जो **राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (NADA)** के लयि एक वैधानकि ढौंचा बनाने का प्रयास करता है ।
 - **स्वापक औषध और मनःप्रभावी पदार्थ अधनियम (NDPS) अधनियम, 1985:** यह कसिी व्यक्त्तिको कसिी भी नशीली दवा या मनःप्रभावी पदार्थ के उत्पादन, रखने, बेचने, खरीदने, परविहन, भंडारण या उपभोग करने से **रोकता** है ।
- **WADA:**
 - **वशिव डोपिंग रोधी एजेंसी (World Anti-Doping Agency- WADA)** की स्थापना सभी खेलों और देशों में डोपिंग रोधी नयिमों के वकिस, सामंजस्य तथा समन्वय के लयि अंतरराष्ट्रीय ओलंपकि समतिके तहत की गई थी ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/doping-practices-in-india>

